ये अव्यक्त इशारे

समय की समीपता प्रमाण अव्यक्त फरिश्ता बनो

23-04-2023

सम्पूर्णता को प्राप्त करने के लिए सदा उपराम और दृष्टा बनो। अपनी देह से भी उपराम, अपनी बुद्धि से उपराम, मेरे संस्कार हैं, इस मेरेपन से भी उपराम। मैं यह समझती हूँ, इस मैं पन से भी उपराम। तो मैं शरीर हूँ, एक तो यह छोड़ना है, दूसरा मैं समझती हूँ, मैं ज्ञानी तू आत्मा हूँ, मैं बुद्धिमान हूँ, यह मैं पन मिटाना है। जहां मैं शब्द आता है वहां बापदादा याद आये। जहां मेरी समझ आती है वहां श्रीमत याद आये। ऐसे ही साक्षी दृष्टा भी बनना है तब ही सम्पूर्णता को प्राप्त कर सकेंगे।

According to the closeness of time, become an avyakt angel.

In order to attain perfection, constantly remain up above and be a detached observer. Remain beyond your body. Remain beyond with your intellect and beyond the consciousness of "mine" even in terms of your sanskars. Also stay beyond the consciousness of "I" in terms of "I think this and that..." First renounce "I am a body" and secondly, renounce "I think...". Finish the consciousness of the "I" of thinking "I am a knowledgeable soul" or "I am intellectual". Wherever you have used the word "I", you should now remember BapDada. Where you used to think of your own understanding, you should now remember shrimat. Become a detached observer in this way and only then will you be able to attain perfection.